The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

15. स्नातकोत्तर विद्यार्थियों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और उपयोग का अध्ययन : शासकीय रा.भ.रा.एन.ई.एस. स्नातकोत्तर (अग्रणी) महाविद्यालय जशपुर के सन्दर्भ में

सुनील कुमार साहू
अतिथि ग्रंथपाल
शासकीय अग्रसेन महाविद्यालय, बिल्हा, बिलासपुर (छ. ग.)
ORCID ID : 0009-0001-6710-2840
Email : ssahu8398@gmail.com

शोध सार

वर्तमान डिजिटल युग में सूचना प्राप्ति के स्रोतों में अभूतपूर्व परिवर्तन हुआ है। ई-संसाधन, जैसे ई-पुस्तकें, ई-पत्रिकाएँ, ऑनलाइन डेटाबेस, शैक्षिक वेब पोर्टल, मल्टीमीडिया सामग्री एवं ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज, शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्र में एक सशक्त माध्यम के रूप में उभरे हैं। परंतु इन संसाधनों की उपलब्धता के बावजूद इनके प्रति उपयोगकर्ताओं में जागरूकता और उपयोग की दर अपेक्षाकृत कम है। यह शोध मुख्यतः ई-संसाधनों के प्रति स्नातकोत्तर स्तर के उपयोगकर्ताओं की जागरूकता, उपयोग की प्रवृत्ति, एवं बाधाओं का अध्ययन करने पर केन्द्रित है। इस अध्ययन का उद्देश्य शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुर नगर (छ.ग.) के स्नातकोत्तर कर रहे विद्यार्थियों मे ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग का आकलन करना तथा इन संसाधनों के उपयोग करने में उनके समक्ष उत्पन्न समस्याओं का पता लगाना हैं। इस अध्ययन के लिए महाविद्यालय के स्नातकोत्तर स्तर के सभी विद्यार्थियों का चयन किया हैं जो शैक्षणिक सत्र 2024-25 में अध्ययन कर रहे हैं, इन विद्यार्थियों को तैयार प्रश्नावली शिक्षकों के माध्यम से वितरित किया गया, फिर प्राप्त आकड़ों का विश्लेषण कर उन्हें सारणीबद्ध किया गया हैं। इस अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि बहुत से उपयोगकर्ता ई-संसाधनों के अस्तित्व से अनभिज्ञ हैं अथवा उन्हें प्रभावी ढंग से उपयोग करने हेतु आवश्यक डिजिटल कौशल का अभाव है, 65.1% उपयोगकर्ता को ई-संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त थी एवं 72.3% विद्यार्थी ई- संसाधनों का उपयोग करते हैं।

मुख्य शब्द : ई–संसाधन, ई लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक संसाधन, सरगुजा विश्वविद्यालय, एन.ई.एस. कॉलेज, जागरूकता।

प्रस्तावना : आज के इस डिजिटल युग में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी ने शिक्षा, शोध, व्यवसाय और प्रशासन जैसे अनेकों क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन किया है। इस परिवर्तित परिदृश्य में ई-संसाधन (Electronic Resources) ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका अदा की हैं। ई-संसाधनों में ई-पुस्तकें, ई-पत्रिकाएँ, ऑनलाइन डेटाबेस, वेब-पोर्टल, ऑडियो-विजुअल सामग्री, ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज आदि सभी शामिल हैं, जो उपयोगकर्ताओं को कहीं भी,

कभी भी जानकारी प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करते हैं। हालांकि, यह देखा गया है कि अधिकांश विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधकर्ताओं एवं आम नागरिकों को ई-संसाधनों की उपलब्धता एवं उनके प्रभावी उपयोग की समुचित जानकारी नहीं होती है। इस कारण इन संसाधनों की व्यापकता और गुणवत्ता के बावजूद इनका उपयोग सीमित रह जाता है। इस समस्या के समाधान हेतु ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता फैलाना और उनके सक्षम उपयोग को प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

अध्ययन का क्षेत्र : इस अध्ययन हेतु शासकीय राम भजन राय एन.ई.एस. स्नातकोत्तर महाविद्यालय जशपुर नगर (छ.ग.) का चयन किया गया है, जो छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा संभाग के आदिवासी बाहुल्य जशपुर जिले में अवस्थित हैं। इस अध्ययन हेतु महाविद्यालय के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के नियमित विद्यार्थियों का चयन किया गया हैं।

अध्ययन का उद्देश्य : इस अध्ययन के मुख्य उद्देश्य निम्न हैं:

- विद्यार्थियों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता और उपयोग का पता लगाना ।
- विद्यार्थियों के बीच ई-संसाधनों के उपयोग की आवृत्ति एवं उद्देश्य का पता लगाना।
- विद्यार्थियों द्वारा ई-संसाधनों तक पहुंच के दौरान आने वाली समस्याओं को जानना।
- विद्यार्थियों द्वारा ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए उपयोग करने वाले माध्यमों का पता लगाना।
- ई-संसाधन के प्रति जागरूकता में शिक्षकों के सहयोग का आकलन करना।
- इस शोध का उद्देश्य ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उनके समुचित उपयोग को प्रोत्साहित करना एवं शिक्षा को अधिक सुलभ, समावेशी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

सम्बंधित साहित्य का पुनरावलोकन :

सिंह, कुलदीप (2019) ने अपने शोध पत्र में "Awareness and use of e-resources among the users of library of Punjabi University Patiala: A case study" इस शीर्षक पर अध्ययन किया, इसके लिए इन्होने पंजाबी विश्वविद्यालय के पुस्तकालय विद्यार्थियों का चयन किया और मात्रात्मक दृष्टिकोण का प्रयोग करते हुए प्रश्नावली वितरित करके प्राथमिक डेटा एकत्र किया। इस शोध में इन्होनें पाया की अधिकांश विद्यार्थी ई-संसाधनों के बारे में जानते थे एवं अधिकांश 32 (36.78%) उत्तरदाताओं ने बताया कि वे प्रतिदिन ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं, 4 बच्चे ऐसे थे जो कभी-कभी ई-संसाधनों का उपयोग करते थे। अधिकतर बच्चों को इन्टरनेट की धीमी गति ने प्रभावित किया।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

डॉ. प्रणेश शांताराम (2024) ने अपने अध्ययन “A study of awareness and use of e-resources among users of degree college libraries” में ई-संसाधन को परिभाषित किया हैं और अध्ययन में पाया की अधिकांश (80 उपयोगकर्ता) ई-संसाधनों के बारे में जानते हैं और 10 छात्र ई-संसाधनों के बारे में नहीं जानते थे। इन्होने ने भी अपने अध्ययन में पाया की अधिकांश बच्चें इन्टरनेट की धीमी गति को अपना प्रमुख समस्या माना जो ई-संसाधन तक पहुँचने में अवरोध उत्पन्न करता हैं।

महातो, मौसमी (2023) ने अपने शोध कार्य “Awareness of e-resources among the library and information science students in SCB university: a study” ई-संसाधन के बारे में बताया और साथ ही साथ इसके लाभ और सीमाओं के बारे में बताया। इस अध्ययन के लिए इन्होंने प्रश्नावली का प्रयोग किया सूचना संग्रहण के लिए एवं प्राप्त आकड़ो का विश्लेषण करने के पश्चात् यह निष्कर्ष दिया की अधिकांश छात्र ई-संसाधनों के बारे में जानते हैं, एवं अधिकांश छात्र (40%) रोजाना ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं।

गौतम, अवधेश सिंह एवं सिन्हा, डॉ. मनोज कुमार (2017) ने अपने अध्ययन में पाया की अधिकांश 82(83.67%) शोध विद्वान और संकाय सदस्य "जागरूक" हैं, 13(13.26%) "कुछ हद तक जागरूक" हैं, केवल 3(3.06%) शोध विद्वान नहीं जानते थे और सभी संकाय सदस्य ई-संसाधनों के बारे में जानकारी रखते थे।

शोध प्रविधि : इस अध्ययन में सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया हैं एवं अध्ययन के उद्देश्यों के आधार पर एक अच्छी तरह से संरचित प्रश्नावली गूगल फॉर्म के माध्यम से तैयार किया, जिसे महाविद्यालय के प्राध्यापकों के द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से विद्यार्थियों में वितरित किया गया। प्राप्त आकड़ों का अध्ययन करने के उपरांत विश्लेषण कर सुनियोजित तरीके से सारणी एवं ग्राफ माइक्रोसॉफ्ट वर्ड के टूल्स बार द्वारा बनाया गया है।

डेटा विश्लेषण और व्याख्या :

इस अध्ययन में कुल 83 विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिक्रिया प्रदान किया जिसमे 30 छात्र एवं 53 छात्राएं थी। जो विभिन्न कक्षाओं (एम.ए., एम.एस.सी., एम.कॉम, पी.जी.डी.सी.ए.) में अध्ययनरत हैं जिनका विवरण आगे किया गया हैं।

ग्राफ 1 : लिंग-वार उत्तरदाताओं की संख्या

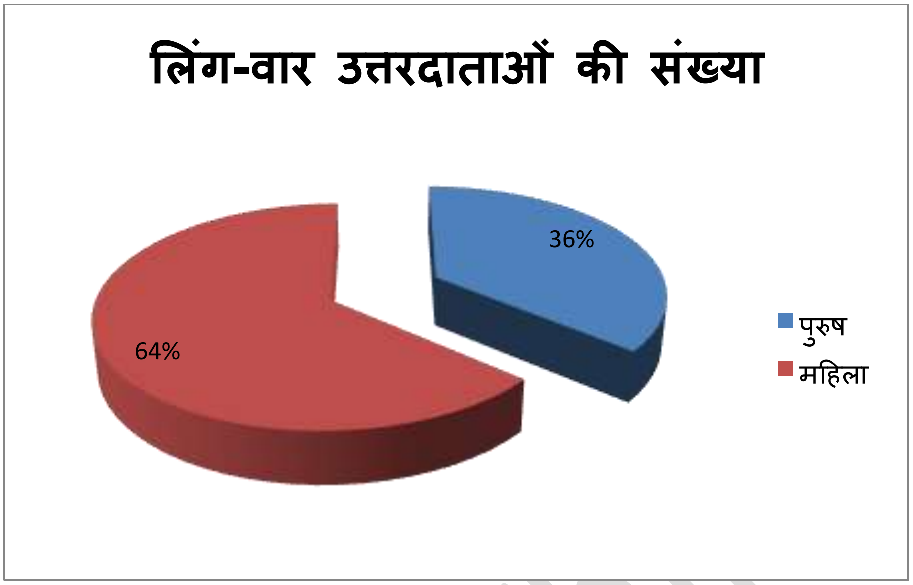

ग्राफ 2 : कक्षा-वार उत्तरदाताओं का विवरण

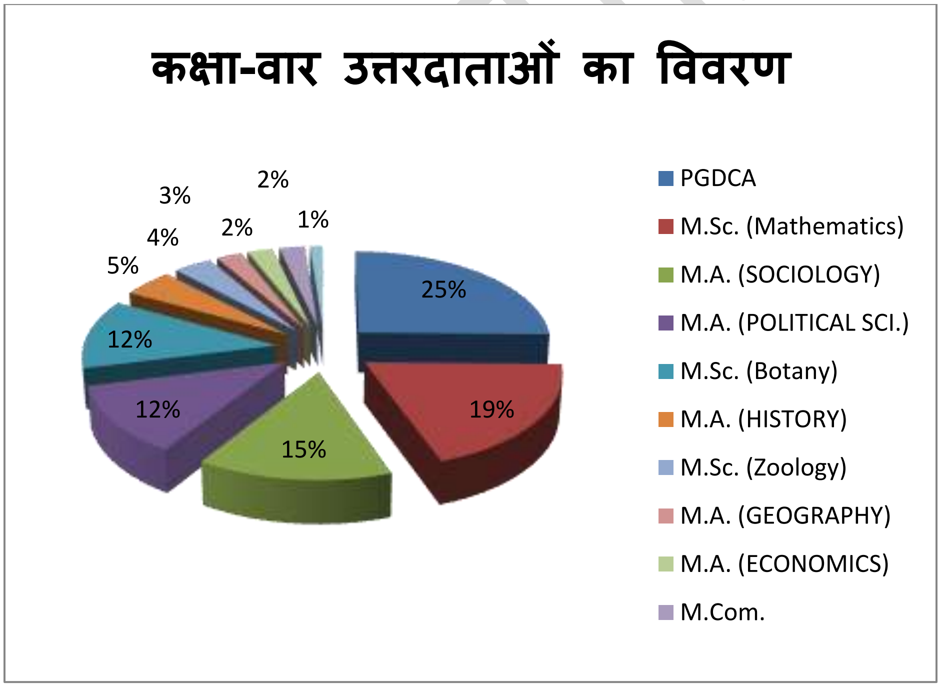

ग्राफ 3 : ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

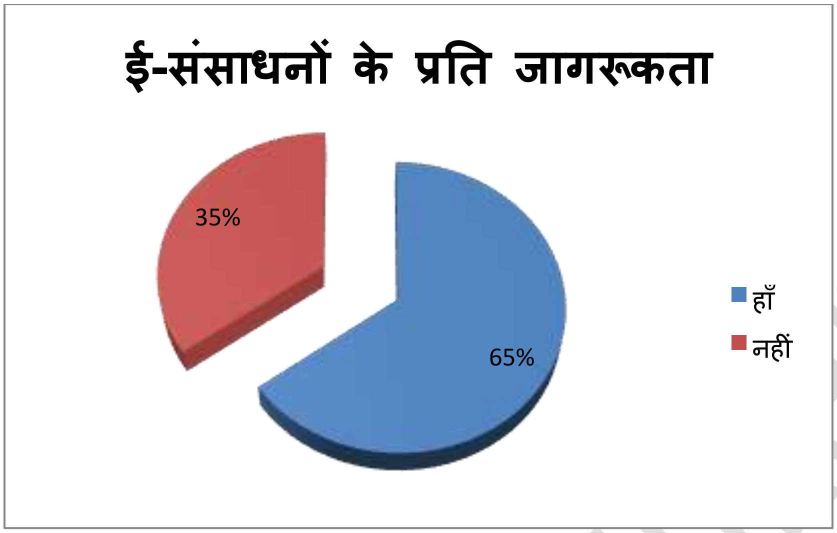

ग्राफ 3 से यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 65% विद्यार्थी ई-संसाधनों के प्रति जागरूक हैं, 35% विद्यार्थी ऐसे हैं जिनको ई-संसाधन क्या होता हैं इसकी जानकारी नहीं हैं।

ग्राफ 4 : ई-संसाधनों का उपयोग

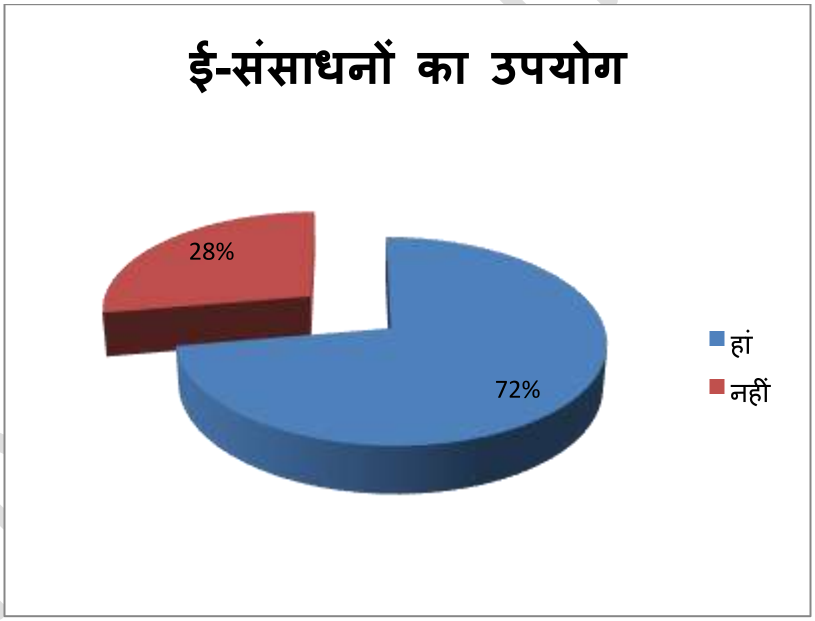

ग्राफ 4 का अध्ययन करने से यह पता चलता हैं की अधिकांश 72% विद्यार्थियों द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग किया जाता हैं, 28% विद्यार्थी ऐसे हैं जो ई-संसाधनों का प्रयोग अपने अध्ययन के दौरान नहीं करते हैं।

सारणी 5 : ई-संसाधनों के बारे में जागरूकता का स्रोत

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

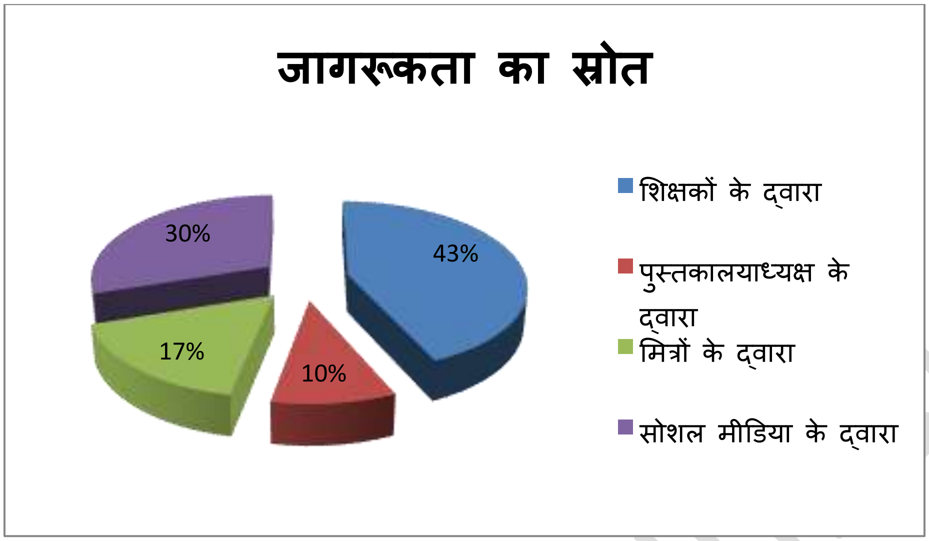

सारणी 5 से यह पता चलता हैं की 43% विद्यार्थियों ने बताया की ई-संसाधन के बारे में जानकारी उनके शिक्षकों द्वारा मिला, 30% विद्यार्थियों ने इस बात का समर्थन किया की ई-संसाधन के बारें में उन्हें सोशल मीडिया के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई, 17% विद्यार्थियों को उनके मित्रों द्वारा एवं 10% को पुस्तकालयाध्यक्ष ने ई-संसाधन के बारे में जानकारी प्रदान किया।

सारणी 6 : ई-संसाधनों के उपयोग की आवृत्ति

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

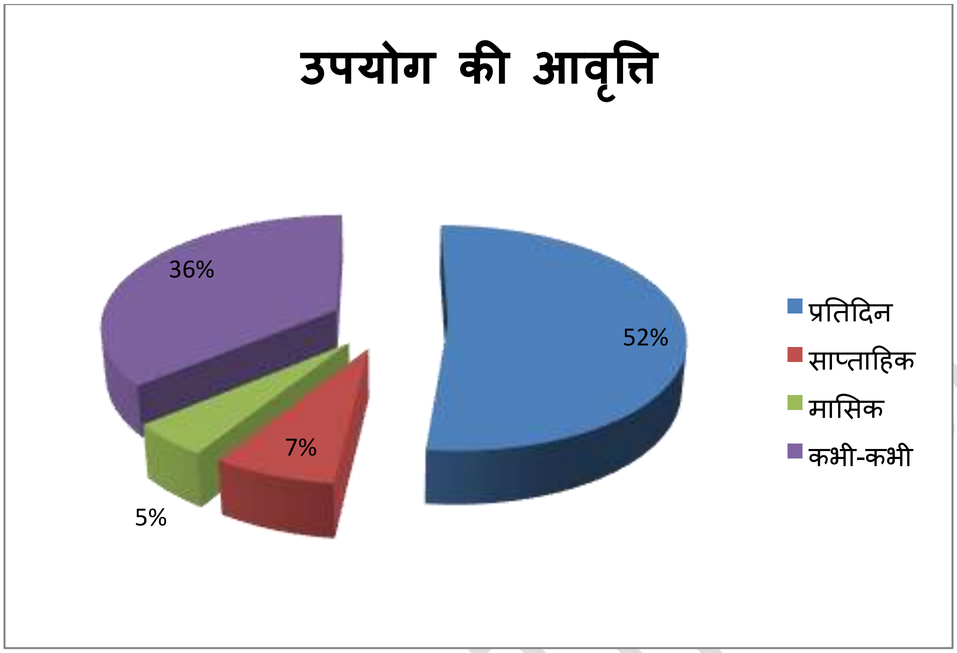

सारणी 6 का अवलोकन करने से यह पता चलता हैं की अधिकांश 52% विद्यार्थी प्रतिदिन ई-संसाधनों का प्रयोग करते हैं, 36% विद्यार्थी केवल कभी-कभी ही ई-संसाधनों का प्रयोग करते हैं, 07% विद्यार्थी ई-संसाधनों का प्रयोग साप्ताहिक करते हैं एवं 05% विद्यार्थी मासिक ई-संसाधनों का प्रयोग करते हैं।

सारणी 7 : ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए प्रयुक्त स्रोत

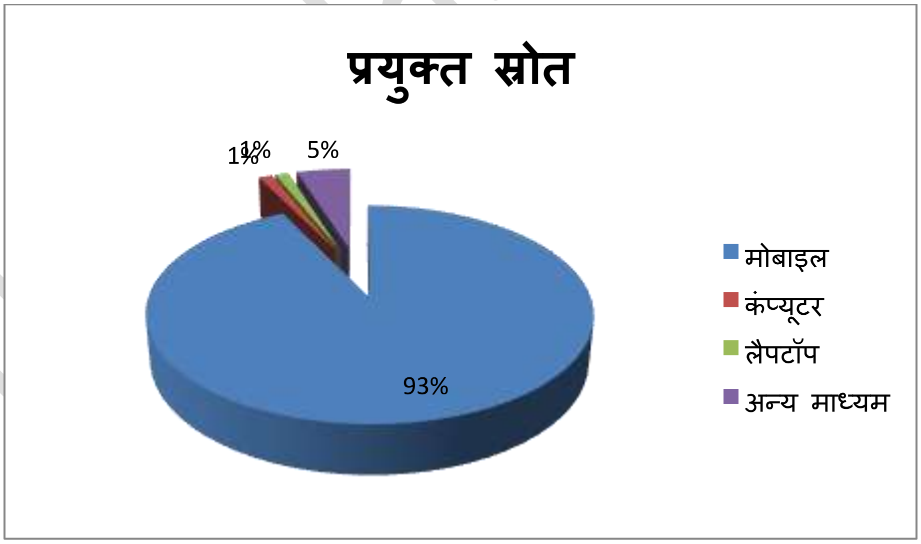

सारणी 7 से यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 93% विद्यार्थी ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए मोबाइल का उपयोग करते हैं, 1% विद्यार्थी कंप्यूटर का एवं 1% विद्यार्थी लैपटॉप का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं। 5%

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

विद्यार्थी ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए अन्य माध्यम का प्रयोग करते हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की अधिकांश विद्यार्थी मोबाइल का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं।

सारणी 8 : ई-संसाधनों को पढ़ने के लिए पसंदीदा भाषा

पसंदीदा भाषा	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
हिंदी	37	44.6%
अंग्रेजी	11	13.3%
दोनों (हिंदी एवं अंग्रेजी)	22	26.5%
मिश्रित (हिंदी एवं अंग्रेजी)	13	15.7%
योग	83	100%

सारणी 8 से यह पता चलता हैं की अधिकांश 44.6% बच्चे ई-संसाधनों को पढ़ने के लिए हिंदी भाषा को पसंद करते हैं, 26.5% विद्यार्थी दोनों भाषाओं (हिंदी एवं अंग्रेजी) में सामान्य रूप से पसंद करते हैं एवं 15.7% विद्यार्थी हिंदी एवं अंग्रेजी का मिश्रित रूप में ई-संसाधनों को पढ़ना पसंद करते हैं। केवल 13.3% बच्चों ने अंग्रेजी भाषा में ई-संसाधन को पढ़ना पसंद किया। इस आधार पर हम कह सकते हैं स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के ई-संसाधनों को पढ़ना पसंद करते हैं।

सारणी 9 : ई-संसाधनों का उपयोग करने का उद्देश्य

उद्देश्य	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
कक्षा/पाठ्यक्रम कार्य पूर्ण करने हेतु	43	51.8%
विषय के बारे में ज्ञान बढ़ाने हेतु	16	19.2%
प्रतियोगिता की तैयारी हेतु	12	14.5%
प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करने हेतु	12	14.5%
योग	83	100%

सारणी 9 से ज्ञात होता हैं की ई-संसाधनों का उपयोग 51.8% बच्चें पाठ्यक्रम के कार्य पूर्ण करने के लिए करते हैं, 19.2% विद्यार्थी ऐसे हैं जो अपने विषय से संबधित ज्ञान बढ़ाने के लिए एवं 14.5% विद्यार्थी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी हेतु ई-संसाधनों का उपयोग करते हैं। 14.5% विद्यार्थी ई-संसाधनों का उपयोग प्रोजेक्ट कार्य पूर्ण करने के लिए करते हैं।

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

सारणी 10 : ई-संसाधनों के लाभ

ई-संसाधन के लाभ	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
सूचना का अच्छा स्रोत	34	41%
ई-संसाधनों तक 24*7 पहुँच	14	16.8%
ई-संसाधनों तक आसानी से पहुँच	17	20.5%
नवीन सूचना का स्रोत	18	21.7%
योग	83	100%

सारणी 10 से यह ज्ञात होता हैं की 41% विद्यार्थी का कहना हैं की ई-संसाधन सूचना का अच्छा स्रोत हैं, 16.8% विद्यार्थियों का मानना हैं की ई-संसाधनों तक 24*7 पंहुचा जा सकता हैं, जो समय की बाध्यता से दूर हैं एवं 20.5% विद्यार्थियों इस बात का समर्थन कर रहे थे की ई–संसाधन तक आसानी से पंहुचा जा सकता हैं। 21.7% विद्यार्थियों ने यह कहा की ई–संसाधन से नवीन सूचना प्राप्त होता हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की ई-संसाधनों के अनेकों लाभ हैं जो इसकी लोकप्रियता को बढाती हैं।

सारणी 11 : ई-संसाधनों तक पहुँचने में आने वाली समस्या

समस्या	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
इन्टरनेट की धीमी गति	44	53%
अप्रासंगिक सूचना प्राप्त	03	3.6%
कौशल की कमी	08	9.6%
सूचना खोजने में समस्या	13	15.7%

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

अन्य समस्या	15	18.1%
योग	83	100%

सारणी 11 से यह पता चलता है की अधिकांश 53% विद्यार्थियों ने इस बात का समर्थन किया की इन्टरनेट की धीमी गति, ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं, 3.6% ने कहा की अप्रासंगिक सूचना भी ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं एवं 9.6% ने स्वयं की कौशल में कमी को ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा माना। 15.7% ने यह भी बताया की ई-संसाधनों से सम्बंधित सूचना खोजने में समस्या भी उन्हें प्रभावित करती हैं इसके साथ ही 18.1% विद्यार्थियों ने इस बात का समर्थन किया की उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य समस्या भी उनको ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं की विद्यार्थियों को ई–संसाधन तक पहुँचने में बहुत सारे समस्या का सामना करना पड़ता हैं।

ग्राफ 12 : अध्ययन हेतु ई-संसाधन कितना महत्वपूर्ण

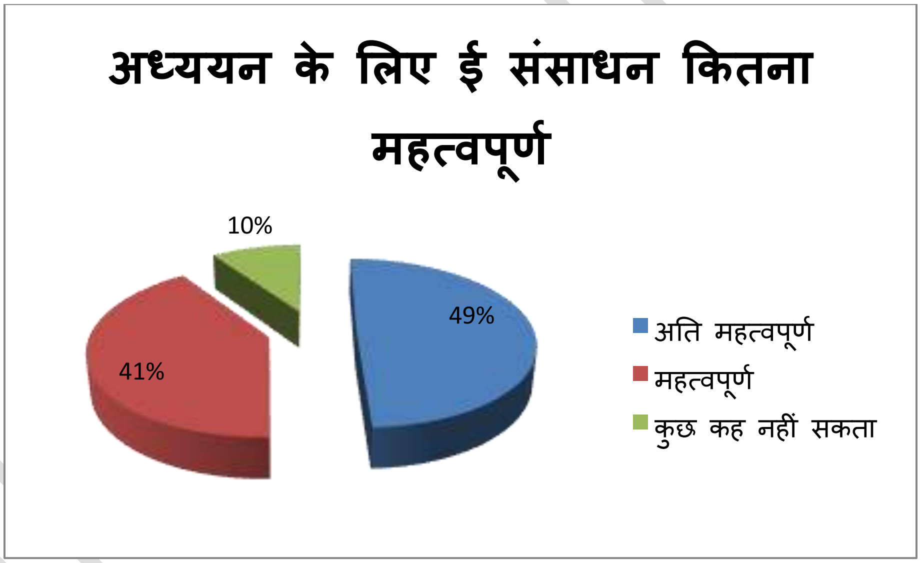

ग्राफ 12 का अवलोकन करने पर यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 49% विद्यार्थियों ने कहा की ई-संसाधन उनके अध्ययन हेतु अति महत्वपूर्ण संसाधन हैं, 41% विद्यार्थियों ने कहा यह उनके अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं एवं 10% विद्यार्थी कुछ भी कहने में असमर्थ थे की ई-संसाधन उनके अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं या नहीं। इस प्रकार हम कह सकते हैं की विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए ई-संसाधन आवश्यक हैं।

नतीजों की चर्चा :

- अध्ययन से यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 65% विद्यार्थी ई-संसाधनों के प्रति जागरूक हैं, 35% विद्यार्थी ऐसे हैं जिनको ई-संसाधन क्या होता हैं इसकी जानकारी नहीं हैं।
- इस अध्ययन से हमें यह पता चलता हैं की अधिकांश 72% विद्यार्थियों द्वारा ई-संसाधनों का उपयोग किया जाता हैं, 28% विद्यार्थी ऐसे हैं जो ई-संसाधनों का प्रयोग अपने अध्ययन के दौरान नहीं करते हैं।
- इस अध्ययन पता चलता हैं की 43% विद्यार्थियों ने बताया की ई-संसाधन के बारे में जानकारी उनके शिक्षकों द्वारा मिला, 30% विद्यार्थियों ने इस बात का समर्थन किया की ई-संसाधन के बारें में उन्हें सोशल मीडिया के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई, 17% विद्यार्थियों को उनके मित्रों द्वारा एवं 10% को पुस्तकालयाध्यक्ष ने ई-संसाधन के बारे में जानकारी प्रदान किया।
- इस अध्ययन का अवलोकन करने से यह पता चलता हैं की अधिकांश 52% विद्यार्थी प्रतिदिन ई-संसाधनों का प्रयोग करते हैं, 36% विद्यार्थी केवल कभी-कभी ही ई-संसाधनों का प्रयोग करते हैं, 07% विद्यार्थी ई-संसाधनों का प्रयोग साप्ताहिक करते हैं एवं 05% विद्यार्थी मासिक ई-संसाधनों का प्रयोग करते हैं।
- 93% विद्यार्थी ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए मोबाइल का उपयोग करते हैं, 1% विद्यार्थी कंप्यूटर का एवं 1% विद्यार्थी लैपटॉप का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं। 5% विद्यार्थी ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए अन्य माध्यम का प्रयोग करते हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की अधिकांश विद्यार्थी मोबाइल का प्रयोग ई-संसाधनों तक पहुंचने के लिए करते हैं।
- इस शोध से यह पता चलता हैं की अधिकांश 44.6% बच्चे ई-संसाधनों को पढ़ने के लिए हिंदी भाषा को पसंद करते हैं, 26.5% विद्यार्थी दोनों भाषाओं (हिंदी एवं अंग्रेजी) में सामान्य रूप से पसंद करते हैं एवं 15.7% विद्यार्थी हिंदी एवं अंग्रेजी का मिश्रित रूप में ई-संसाधनों को पढ़ना पसंद करते हैं। केवल 13.3% बच्चों ने अंग्रेजी भाषा में ई-संसाधन को पढ़ना पसंद किया। इस आधार पर हम कह सकते हैं स्नातक स्तर के विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के ई-संसाधनों को पढ़ना पसंद करते हैं।
- अध्ययन से यह ज्ञात होता हैं 41% विद्यार्थी का कहना हैं की ई-संसाधन सूचना का अच्छा स्रोत हैं, 16.8% विद्यार्थियों का मानना हैं की ई-संसाधनों तक 24*7 पंहुचा जा सकता हैं, जो समय की बाध्यता से दूर हैं एवं 20.5% विद्यार्थियों इस बात का समर्थन कर रहे थे की ई–संसाधन तक आसानी से पंहुचा जा सकता हैं। 21.7% विद्यार्थियों ने यह कहा की ई–संसाधन से नवीन सूचना प्राप्त होता हैं। निष्कर्षतः हम कह सकते हैं की ई-संसाधनों के अनेकों लाभ हैं जो इसकी लोकप्रियता को बढाती हैं।
- 53% विद्यार्थियों ने इस बात का समर्थन किया की इन्टरनेट की धीमी गति, ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं, 3.6% ने कहा की अप्रासंगिक सूचना भी ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करती हैं

The Asian Thinker
A Quarterly Bilingual Peer-Reviewed Journal for Social Sciences and Humanities
Year-7 Volume: IV, October-December, 2025
Issue-28 ISSN: 2582-1296 (Online)
Website: www.theasianthinker.com **Email**: asianthinkerjournal@gmail.com

एवं 9.6% ने स्वयं की कौशल में कमी को ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा माना। 15.7% ने यह भी बताया की ई-संसाधनों से सम्बंधित सूचना खोजने में समस्या भी उन्हें प्रभावित करती हैं इसके साथ ही 18.1% विद्यार्थियों ने इस बात का समर्थन किया की उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य समस्या भी उनको ई-संसाधनों तक पहुँचने में बाधा उत्पन्न करते हैं। इस प्रकार हम कह सकते हैं की विद्यार्थियों को ई–संसाधन तक पहुँचने में बहुत सारे समस्या का सामना करना पड़ता हैं।

- यह ज्ञात होता हैं की अधिकांश 49% विद्यार्थियों ने कहा की ई-संसाधन उनके अध्ययन हेतु अति महत्वपूर्ण संसाधन हैं, 41% विद्यार्थियों ने कहा यह उनके अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं एवं 10% विद्यार्थी कुछ भी कहने में असमर्थ थे की ई-संसाधन उनके अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण हैं या नहीं। इस प्रकार हम कह सकते हैं की विद्यार्थियों के अध्ययन के लिए ई-संसाधन आवश्यक हैं।

सुझाव :

- महाविद्यालय के शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों को ई-संसाधनों के बारें में बच्चों को अवगत करना चाहिए।
- शिक्षकों को विश्वसनीय ई-संसाधन के विभिन्न श्रोत का ज्ञान विद्यार्थियों को देना चाहिए जिससे वे स्वयं ई-संसाधनों का चयन कर उन तक अपना पहुँच बना सके।
- शिक्षक को विद्यार्थियों में ई-संसाधनों के नियमित उपयोग का आदत डालना चाहिए।
- बच्चों में विभिन्न पुस्तकालय पोर्टल एवं ई-लाइब्रेरी का उपयोग करने हेतु प्रशिक्षित करना चाहिए।
- महाविद्यालय को मुफ्त में तीव्र गति वाला इन्टरनेट उपलब्ध करवाना चाहिए, जिससे विद्यार्थी ई-संसाधनों का पर्याप्त उपयोग कर सके।
- शिक्षकों एवं पुस्तकालय के कर्मचरियों को ई-संसाधन के लाभ के बारें में विद्यार्थियों को बताना चाहिए।
- बच्चों को ई-संसाधन से जुड़ी नवीनतम जानकारियों से अवगत करना चाहिए।

निष्कर्ष : वर्तमान डिजिटल युग में ई-संसाधनों (Electronic Resources) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है, विशेष रूप से शैक्षणिक एवं शोध क्षेत्र में। इस शोध के माध्यम से यह स्पष्ट हुआ कि अधिकांश उपयोगकर्ता ई-संसाधनों के अस्तित्व से परिचित हैं, किंतु इनका प्रभावी एवं सतत उपयोग अभी भी सीमित है। आज के समय में जितना आवश्यकता परंपरागत पाठ्य-सामग्री की हैं उससे कही ज्यादा ई-संसाधनों की हैं। छात्रों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों के बीच ई-संसाधनों जैसे कि ई-पुस्तकें, ई-जर्नल्स, ऑनलाइन डेटाबेस, डिजिटल पुस्तकालय एवं शैक्षणिक वेबसाइटों की जानकारी होने के बावजूद, तकनीकी ज्ञान, इंटरनेट की उपलब्धता, प्रशिक्षण की कमी तथा भाषा संबंधी बाधाएं इनके उपयोग में अड़चन उत्पन्न करती हैं। इस अध्ययन में आदिवासी बाहुल्य जशपुर का चयन किया गया

और आदिवासी बच्चों में ई-संसाधन की भूमिका का अध्ययन किया। हमने इस अध्ययन में पाया की ई-संसाधन इन बच्चों की शिक्षा में अति महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा हैं, क्योंकि ये विद्यार्थी दूर-दराज से आते हैं जो अध्ययन के दौरान पुस्तकालय में जाना संभव नहीं हो पता हैं, ऐसे स्थिति में विद्यार्थी को ई-संसाधन का उपयोग करना पड़ता हैं। इन विद्यार्थियों में ई-संसाधनों के प्रति जागरूकता का जो आभाव हैं उनकों शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा दूर करने का प्रयास करना चाहिए।

सन्दर्भ :

1. Ananda, S. K. (2017). Usage and awareness of electronic information resources among UG and PG students of T. John College, Bangalore: A study. *International Journal of Library and Information Studies, 7*(1), 20–25.
2. Gautam, A. S., & Sinha, M. K. (2017). Use of electronic resources among research scholars and faculty members of University of Allahabad, Uttar Pradesh, India: A survey. *Library Progress (International), 37*(2), 1–12.
3. Mahato, M. (2023). Awareness of e-resources among the library and information science students in SCB University: A study. *International Journal of Creative Research Thoughts, 11*(3), 408–414.
4. Shantaram, P. (2024). A study of awareness and use of e-resources among users of degree college libraries. *Shodhkosh: Journal of Visual and Performing Arts, 5*(2), 898–901.
5. Singh, K. (2019). Awareness and use of e-resources among the users of library of Punjabi University Patiala: A case study. *Journal of Indian Library Association, 55*(4), 59–66.
6. Thanuskodi, S. (2012). Use of e-resources by the students and researchers of Faculty of Arts, Annamalai University. *International Journal of Library Science, 1*(1), 1–7.
7. National Institute of Open Schooling. (n.d.). *Library and information science: Electronic resources* (Study material). https://www.nios.ac.in/media/documents/SrSecLibrary/LCh-008H.pdf

The Asian Thinker